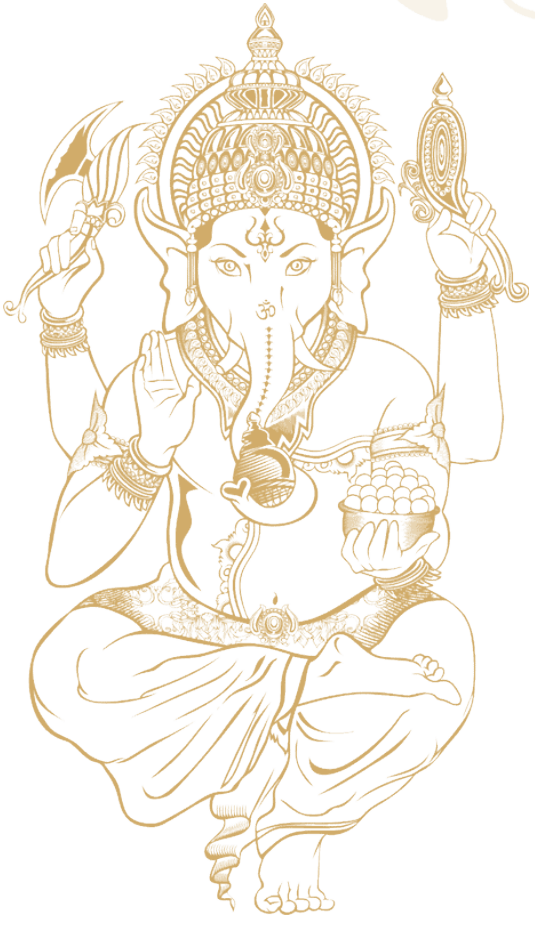

Mr.Sanjeev

05 May 1999

04:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121025202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/05/1999**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	55:53:18 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:10 घंटे
साम्पातिक काल	18:28:20 घंटे
सूर्योदय	05:38:40 घंटे
सूर्यास्त	18:57:44 घंटे
दिनमान	13:19:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:09:58 मेष
लग्न के अंश	16:14:10 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	16:14:10	510:52:35	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			मेष	20:09:58	00:58:08	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			धनु	07:18:07	11:56:42	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल	व		तुला	06:29:27	00:21:07	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			मीन	29:23:12	01:38:59	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	नीच राशि
गुरु			मीन	25:14:42	00:13:48	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	स्वराशि
शुक्र			मिथु	01:57:09	01:07:35	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि		अ	मेष	13:51:48	00:07:38	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	23:43:53	00:07:22	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	23:43:53	00:07:22	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:49:47	00:00:50	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	10:31:23	00:00:04	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	15:57:57	00:01:25	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			धनु	12:39:17	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:39

लग्न-चलित

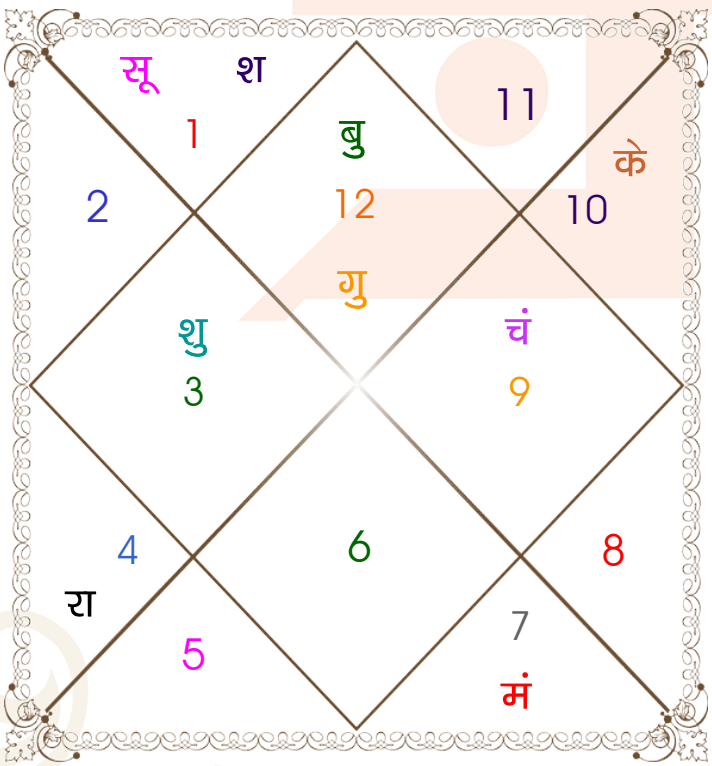

चन्द्र कुंडली

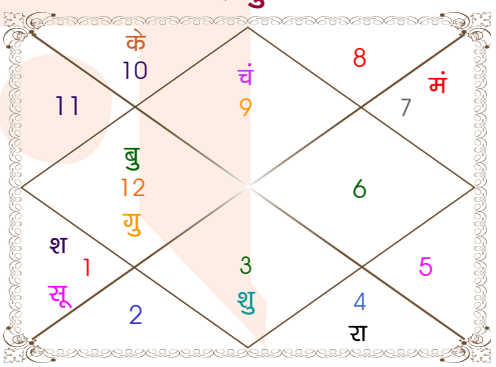

नवमांश कुंडली

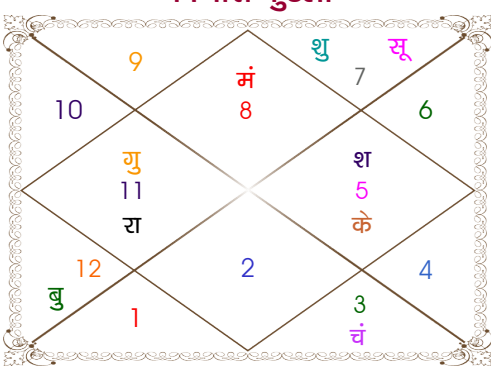

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 1 मास 30 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/05/1999		04/07/2002		04/07/2022		04/07/2028		04/07/2038	
04/07/2002		04/07/2022		04/07/2028		04/07/2038		04/07/2045	
	00/00/0000	शुक्र	03/11/2005	सूर्य	22/10/2022	चंद्र	04/05/2029	मंगल	30/11/2038
	00/00/0000	सूर्य	03/11/2006	चंद्र	22/04/2023	मंगल	03/12/2029	राहु	19/12/2039
	00/00/0000	चंद्र	04/07/2008	मंगल	28/08/2023	राहु	04/06/2031	गुरु	24/11/2040
	00/00/0000	मंगल	03/09/2009	राहु	22/07/2024	गुरु	03/10/2032	शनि	03/01/2042
	05/05/1999	राहु	03/09/2012	गुरु	10/05/2025	शनि	04/05/2034	बुध	31/12/2042
राहु	22/06/1999	गुरु	05/05/2015	शनि	22/04/2026	बुध	04/10/2035	केतु	29/05/2043
गुरु	28/05/2000	शनि	04/07/2018	बुध	27/02/2027	केतु	04/05/2036	शुक्र	28/07/2044
शनि	07/07/2001	बुध	04/05/2021	केतु	04/07/2027	शुक्र	03/01/2038	सूर्य	03/12/2044
बुध	04/07/2002	केतु	04/07/2022	शुक्र	04/07/2028	सूर्य	04/07/2038	चंद्र	04/07/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/07/2045		04/07/2063		04/07/2079		04/07/2098		05/07/2115	
04/07/2063		04/07/2079		04/07/2098		05/07/2115		00/00/0000	
राहु	16/03/2048	गुरु	22/08/2065	शनि	07/07/2082	बुध	01/12/2100	केतु	02/12/2115
गुरु	10/08/2050	शनि	04/03/2068	बुध	16/03/2085	केतु	28/11/2101	शुक्र	31/01/2117
शनि	16/06/2053	बुध	10/06/2070	केतु	25/04/2086	शुक्र	28/09/2104	सूर्य	08/06/2117
बुध	03/01/2056	केतु	17/05/2071	शुक्र	25/06/2089	सूर्य	04/08/2105	चंद्र	07/01/2118
केतु	21/01/2057	शुक्र	15/01/2074	सूर्य	07/06/2090	चंद्र	04/01/2107	मंगल	05/06/2118
शुक्र	21/01/2060	सूर्य	03/11/2074	चंद्र	06/01/2092	मंगल	01/01/2108	राहु	06/05/2119
सूर्य	15/12/2060	चंद्र	04/03/2076	मंगल	14/02/2093	राहु	20/07/2110		00/00/0000
चंद्र	16/06/2062	मंगल	08/02/2077	राहु	22/12/2095	गुरु	25/10/2112		00/00/0000
मंगल	04/07/2063	राहु	04/07/2079	गुरु	04/07/2098	शनि	05/07/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 1 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।